CLASS: III
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NAME - पाठ-७ सदा मित्र की मदद करो।
SUB – TOPIC – र’ के अलग-अलग रूपों से परिचय तथा सुलेख

☺️पाठ-७-सदा मित्र की मदद करो☺️

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

र के विभिन्न रूप

र, रेफ़ र्, पदेन र

रात सर्प चर्च प्रणाम प्रेम ट्रक

‘रु’ और ‘रू’ वाले सामान्य शब्द

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- ‘र’ के सामान्य रूप का प्रयोग में ‘र’ शब्द के आरंभ में, मध्य में और अंत में आ सकता है।
- ‘र’ में सभी मात्राएँ लग सकती है सिवाय ‘ऋ’ और हलंत (्) के, जैसे –
  र, रा, रि, री, रु, रू, रे, रै, रो, रौ

र्+ऊ+प्+अ = रूप

अ+म्+र्+ऊ+द्+अ = अमरूद

र्+उ+द्+र्+अ = रुद्र

रेफ (र्) वाले शब्द

स्वर रहित 'र्' को व्याकरण की भाषा में रेफ कहते हैं। रेफ का प्रयोग कभी भी किसी भी शब्द के पहले अक्षर में नहीं किया जाता। शब्दों में इसका प्रयोग होते समय इसके उच्चारण के बाद आने वाले वर्ण की अंतिम मात्रा के ऊपर लग जाता है।

ग + र् + म = गर्म

ब + र् + फ = बर्फ

क + र् + म = कर्म

पदेन (र) वाले शब्द

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

‘^’ यह ‘र’ का नीचे पदेन वाला रूप है। ‘र’का यह रूप स्वर रहित है । यह ‘र’ का रूप अपने से पूर्व आए व्यंजन वर्ण में लगता है। पाई वाले व्यंजनों के बाद प्रयुक्त ‘र’ का यह रूप तिरछा होकर लगता है, जैसे- द्र, प्र, म्र, क्र इत्यादि। पाई रहित व्यंजनों में नीचे पदेन का रूप ‘^’ इस तरह का होता है, जैसे – द्रव्य, क्रम , पेट्रोल, ड्राइवर

- ‘द’ और ‘ह’ में जब नीचे पदेन का प्रयोग होता है तो ‘द् + र = द्र’ और ‘ह् + र = ह्र’ हो जाता है, जैसे- दरिद्र, रुद्र, ह्रद, ह्रास इत्यादि।
- ‘त’ और ‘श’ में जब नीचे पदेन का प्रयोग होता है तो

‘त् + र = त्र’ और ‘श् + र = श्र’ हो जाता है, जैसे – नेत्र, त्रिशूल,

अश्रु, श्रमिक इत्यादि।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प् + र + े + म = प्रेम

उ + म् + र = उम्र

प् + र + े + त = प्रेत

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अध्ययन के परिणाम

कहानी के माध्यम से बच्चों मैं नैतिक शिक्षा का संचार कराना तथा साथ मैं पाठ से ज़ुड़े भाषा ज्ञान वाले प्रश्न उत्तर का ज्ञान पाना।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP